लाइयाँ सावन मौज बहारां बाबा जी दे मंदरां उत्ते

लाइयाँ सावन मौज बहारां बाबा जी दे मंदरां उत्ते

1. लाइयाँ सावन मौज बहारां बाबा जी दे मंदरां उत्ते-2
लग्गी रौनक,लग्गियां क़तारां बाबा जी दे मंदरां उत्ते-2
लाइयाँ सावन मौज.....

2. कालीयाँ कोयलां,काग ने काले-2
नच्दे मोर ने पअवन द्वारे-2
नाले शीतल पैण फवारां,बाबा जी दे मन्दरां उत्ते।
लाइयाँ सावन मौज.....

3. टोल तमूरे वजण नगाड़े-2
फूल हिंडोले खाण हुलारे-2
खिड़-खिड़ -2 मेहकण गुलजारां ,बाबा जी दे मन्दरां उत्ते।
लाइयाँ सावन मौज.....
लग्गी रौनक,लग्गियां क़तारां बाबा जी दे मंदरां उत्ते

4. बाबा बालक नाथ दे मेले-2
सिद्ध जोगी दे अजब ने मेले-2
संत पगत आये अलबेले-2
पैयां पैण-2 ‘‘मधुप’’ झनकारां,बाबा जी दे मंदरां उत्ते।
लाइयाँ सावन मौज.....3

लग्गी रौनक,लग्गियां क़तारां बाबा जी दे मंदरां उत्ते-2

जयकारा पौणाहारी जी दा।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण ‘मधुप’ (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33096/title/laiyan-saawan-mauj-baharaan-baba-ji-de-mandran-utte

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |